संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
सतपुडा भवन,चतुर्थ तल
भोपाल–मध्यप्रदेश
ई–मेल training.dhsmp@gmail.com दूरभाष क्रमॉक 0755–2527105

क्रमॉक/4/प्रशिक्षण/2018/ 29 भोपाल,दिनॉक 22/01/2018

प्रति,

मार्डन डेन्टल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेंटर,
गॉधी नगर,बिजासन रोड,
जिला–इंदौर–453112

विषयः–मार्डन डेन्टल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेंटर, इंदौर के छात्र/छात्राओं को जिला अस्पताल,इंदौर में इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण की अनुमति बावत् ।

संदर्भः– संचालनालय के पत्र क्रमॉक/4/प्रशिक्षण/2018/ 27 भोपाल दिनॉक 22/01/2018

–000–

उपरोक्त विषय में संदर्भित पत्र के द्वारा जिला/सिविल अस्पतालों में निजी महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं को इन्टर्नशीप / प्रशिक्षण हेतु निर्धारित शर्तों के अधीन आपको वर्ष 2018–19 के लिए अनुमति प्रदान की जाती है ।

संलग्नः–पत्र की प्रति संलग्न

(राकेश मुंशी)
संयुक्त संचालक(प्रशिक्षण)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें,
मध्यप्रदेश

पृ0क्र0/4/प्रशिक्षण/2018/ **भोपाल,दिनॉक /01/2018**

प्रतिलिपिः–सूचनार्थ ।

1/ आयुक्त,स्वास्थ्य सेवायें,मध्यप्रदेश ।
2/ संचालक,स्वास्थ्य सेवाये,मध्यप्रदेश ।
3/ संचालक, नर्सिग,स्थानीय कार्यालय
4/ क्षेत्रीय संचालक,स्वास्थ्य सेवायें, संभाग इंदौर,मध्यप्रदेश ।
5/ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,इंदौर मध्यप्रदेश ।
6/ सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय,इंदौर, मध्यप्रदेश ।

हस्ता./–
संयुक्त संचालक(प्रशिक्षण)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें,
मध्यप्रदेश

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
सतपुडा भवन,चतुर्थ तल
भोपाल–मध्यप्रदेश
ई-मेल training.dhsmp@gmail.com दूरभाष क्रमॉक 0755-2527105

क्रमॉक/4/प्रशिक्षण/2018/27 भोपाल,दिनॉक22/01/2018

प्रति,

1. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,मध्यप्रदेश ।
2. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, (म0प्र0)
3. अधीक्षक, सिविल अस्पताल, (बैरागढ़)भोपाल/डॉ0कैलाश नाथ काट्जू चिकित्सालय, भोपाल/ जनसेवा रुगणालय,(इटारसी)होशंगाबाद/रानी दुर्गावती चिकित्सालय,जबलपुर/(म0प्र0)

विषयः– जिला/सिविल अस्पतालों में इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के संबंध में दिशा–निर्देश ।

–000–

प्रदेश में दन्त चिकित्सा, आयुर्वेदिक चिकित्सा तथा नर्सिग से संबंधित निजी महाविद्यालय संचालित है। इन निजी महाविद्यालयों के अपने स्वयं के अस्पताल नही है । इन महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए जिला/सिविल अस्पतालों पर निर्भर रहना होता है । अतः जिला/सिविल अस्पतालों में दन्त चिकित्सा,आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं नर्सिग से संबंधित निजी महाविद्यालयों की छात्र/छात्राओं को संबंधित संस्था के रोगी कल्याण समिति के माध्यम से इन्टर्नशीप / प्रशिक्षण की अनुमति प्रदान करने हेतु निम्नानुसार सेवा शर्ते निर्धारित की जाती है :–

1/ <u>सामान्य शर्ते</u>

- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान छात्र / छात्राओं को किसी भी प्रकार का स्टायपण्ड / भत्ता नही दिया जाऐगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान छात्र / छात्राओं को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय तथा संबंधित विभाग प्रमुख के निर्देशों तथा अनुशासन का पालन करना होगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सालय में छात्र / छात्राओं की लापरवाही अथवा जानबूझकर किये गये किसी भी कृत्य से शासकीय सम्पति की हानि होने पर उसकी भरपाई की जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय की होगी ।
- ✓ आवश्यकता अनुसार चिकित्सकों को जिला चिकित्सालय के अलावा अन्य स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाओं में भी कार्य करने हेतु निर्देशित किया जा सकता है ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण सामान्यतः 03माह/6माह/01वर्ष की अवधि की होगी तथा इसके अनुरुप इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण हेतु निम्नानुसार शुल्क देय होगा :–

  03 माह की इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण – रूपये 5000/–प्रति इन्टर्न ।
  06 माह की इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण – रूपये 10000/–प्रति इन्टर्न ।
  01 वर्ष की इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण – रूपये 20000/–प्रति इन्टर्न ।

- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण की अवधि लगातार रहेगी एक बार में ही इसे पूर्ण करना होगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान छात्र / छात्राओं को निर्धारित यूनिफार्म एवं एप्रिन पहनना अनिवार्य होगा ।

- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय/ चिकित्सा संस्था के प्रभारी की अनुशंसा के आधार पर सफलतापूर्वक इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण पूर्ण करने का प्रमाणपत्र जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा प्रदान किया जाऐगा ।
- ✓ इन्टर्न छात्र/छात्राओं को इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विभागों में कार्य करने हेतु निर्देशित करना, फिल्ड विजिट करना एवं उनके द्वारा किये गये कार्य की निगरानी एवं समीक्षा हेतु जिला/सिविल अस्पताल में किसी एक चिकित्सा अधिकारी/मैट्रन को नोडल अधिकारी नामांकित किया जाये ।
- ✓ निजी महाविद्यालयों के द्वारा भी उनकी संस्था के किसी एक अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किया जाना चाहिए जिससे कि इन्टर्न छात्र/छात्राओं के संबंध में सम्पर्क स्थापित करने में आसानी हो सकें ।
- ✓ जिला / सिविल अस्पताल नोडल अधिकारी द्वारा इन्टर्न छात्र/छात्राओं के संबंध में उनके द्वारा किये गये कार्य का मासिक प्रतिवेदन तैयार किया जाना चाहिए । इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण पूर्ण होने पर इन्टर्न छात्र/छात्राओं को निम्न आधार पर अंक दिये जाना चाहिए :-

1-आचारण एवं व्यवहार	-	10 अंक
2-विभिन्न विभागों में किये गये कार्य	-	30 अंक
(प्रत्येक विभाग के लिए पृथक पृथक अंक दिये जाने चाहिए)		
3-फिल्ड विजिट	-	10 अंक
	योग	**50 अंक**

- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा, अन्यथा छात्र/छात्राओं को तीन माह की इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण पुनः करना होगा तथा इस हेतु आवश्यक शुल्क भी जमा करना होगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण से प्राप्त आय संबंधित/जिला अस्पताल के रोगी कल्याण समिति में जमा करायी जाऐगी तथा इन्टर्न छात्र/छात्राओं के कार्य की निगरानी एवं समीक्षा तथा फिल्ड भ्रमण हेतु आवश्यक व्यय भी इस मद् के तहत किया जा सकेगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण हेतु संबंधित महाविद्यालय एवं जिला/सिविल अस्पताल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मध्य एक त्रिस्तरीय अनुबंध रूपये 100/-के स्टेम्प पेपर के ऊपर संपादित किया जाना चाहिए जिसमें उपरोक्त शर्तो को उल्लेख किया जाना चाहिए । अनुबंध एक वर्ष तक वैध होगा इसके पश्चात पुनः नवीन अनुबंध संपादित करना होगा ।

2/ **<u>दन्त चिकित्सक</u>**

- ✓ दन्त चिकित्सकों को दन्त चिकित्सा विभाग के अलावा मेडिसीन, आकस्मिक चिकित्सा, शिशु विभाग एवं अस्पताल प्रबन्धन में भी कार्य करना होगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान दन्त चिकित्सकों को जिले की **आर.बी.एस.के.** टीम के साथ कम से कम दो भ्रमण करना अनिवार्य होगा ।

3/ **आयुर्वेदिक चिकित्सक**

- ✓ चिकित्सक को जिला चिकित्सालय की आयुर्वेदिक विंग, मेडिसीन विभाग, शिशु विभाग, प्रसूति विभाग, आकस्मिक विभाग, अस्पताल प्रबन्धन में कार्य करना अनिवार्य होगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान आयुर्वेदिक चिकित्सकों को जिले की **आर.बी.एस.के.** टीम के साथ कम से कम दो भ्रमण करना अनिवार्य होगा ।
- ✓ आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों को इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी के मार्गदर्शन में कम से कम 02 बार ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का भी भ्रमण करना आवश्यक होगा ।

4/ **स्टॉफ नर्स**

- ✓ बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. नर्सिग में अध्यनरत छात्राओं को इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सालय के सभी विभागों में कार्य करना होगा जिसका निर्धारण सिविल सर्जन / आर.एम.ओ. द्वारा किया जाऐगा ।
- ✓ इन्टर्नशीप/प्रशिक्षण के दौरान स्टाफ नर्स को आपरेशन थियेटर, लेबर रूम, एस.एन. सी.यू.एवं एन.आर.सी. में भी कार्य करना होगा ।
- ✓ स्टॉफ नर्स को माह में कम से कम एक बार व्ही.एच.एण्ड डी./ टीकाकरण सत्र् का भ्रमण करना अनिवार्य होगा ।
- ✓ स्टाफ नर्स को आई.सी.यू., एन.सी.डी.क्लीनिक, संवाद केन्द्र आदि में भी कार्य करना होगा ।
- ✓ स्टॉफ नर्स को जिला चिकित्सालय के अलावा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ डिस्पेन्सरी/ अन्य चिकित्सा संस्थाओं में कार्य हेतु निर्देशित किया जा सकता है ।

आयुक्त,स्वास्थ्य सेवायें द्वारा अनुमोदित

22/1

(राकेश मुंशी)
संयुक्त संचालक(प्रशिक्षण)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें,
मध्यप्रदेश

पृ0क्र0/4/प्रशिक्षण/2018/ **भोपाल,दिनॉक** /01/2018

प्रतिलिपिः-सूचनार्थ ।

1/ प्रमुख सचिव,मध्यप्रदेश शासन,लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,मंत्रालय-भोपाल ।
2/ आयुक्त,स्वास्थ्य सेवायें,मध्यप्रदेश ।
3/ मिशन संचालक,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,8-किसान भवन,पुरानी जेल रोड,अरेरा हिल्स,भोपाल ।
4/ संचालक,स्वास्थ्य सेवाये /संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,8-किसान भवन,पुरानी जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल ।
5/ संचालक,चिकित्सा शिक्षा,सतपुडा भवन,भोपाल ।
6/ समस्त क्षेत्रीय संचालक,संभागीय स्वास्थ्य सेवायें,मध्यप्रदेश ।

हस्ता./-
संयुक्त संचालक(प्रशिक्षण)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें,
मध्यप्रदेश